संपूर्ण हनुमान चलीसा

(Hanuman Chalisa Lyrics in Hindi)

प्रथम दो चरण दोहा से शुरु

✨ श्रीगुरु चरन सरोज रज, निज मन मुकुरु सुधारि,
बरनऊ रघुबर बिमल जसु, जो दायकु फल चारि ||

बुद्धिहीन तनु जानिके, सुमिरौं पवन-कुमार,
बल बुद्धि विध्या देहु मोहिं, हरहु कलेस बिकार ||

यहा से चौपाई कि शुरुआत

✨ जय हनुमान ज्ञान गुन सागर, जय कपीस तिहुं लोक उजागर ॥

रामदूत अतुलित बल धामा, अंजनि-पुत्र पवनसुत नामा ॥

महावीर विक्रम बजरंगी, कुमति निवार सुमति के संगी ॥

कंचन बरन बिराज सुबेसा, कानन कुंडल कुंचित केशा ॥

हाथ बज्र औ ध्वजा बिराजै, कांधे मूंज जनेऊ साजै।

संकर सुवन केसरीनंदन, तेज प्रताप महा जग बन्दन ॥

विद्यावान गुनी अति चातुर, राम काज करिबे को आतुर ॥

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया, राम लखन सीता मन बसिया ॥

सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा, विकट रूप धरि लंक जरावा ॥

भीम रूप धरि असुर संहारे, रामचंद्र के काज संवारे ॥

लाय सजीवन लखन जियाये, श्रीरघुबीर हरषि उर लाये ॥

रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई, तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई ॥

सहस बदन तुम्हरो जस गावैं, अस कहि श्रीपति कंठ लगावैं ॥

सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा, नारद सारद सहित अहीसा ॥

जम कुबेर दिगपाल जहां ते, कवि कोबिद कहि सके कहां ते ॥

तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा, राम मिलाय राज पद दीन्हा ॥

तुम्हरो मंत्र विभीषण माना, लंकेश्वर भऐ सब जग जाना ॥

जुग सहस्र जो जन पर भानू, लील्यो ताहि मधुर फल जानू ॥

प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं, जलधि लांघि गये अचरज नाहीं ॥

दुर्गम काज जगत के जेते, सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते ॥

राम दुआरे तुम रखवारे, होत न आज्ञा बिनु पैसारे ॥

सब सुख लहै तुम्हारी सरना, तुम रक्षक काहू को डर ना ॥

आपन तेज सम्हारो आपै, तीनों लोक हांक तें कांपै ॥

भूत पिसाच निकट नहिं आवै, महाबीर जब नाम सुनावै ॥

नासै रोग हरै सब पीरा, जपत निरंतर हनुमत बीरा ॥

संकट तें हनुमान छुड़ावै, मन क्रम बचन ध्यान जो लावै ॥

सब पर राम तपस्वी राजा, तिन के काज सकल तुम साजा।

और मनोरथ जो कोई लावै, सोइ अमित जीवन फल पावै ॥

चारों जुग परताप तुम्हारा, हे परसिद्ध जगत उजियारा ॥

साधु-संत के तुम रखवारे, असुर निकंदन राम दुलारे ॥

अष्ट सिद्धि नौ निधि के दाता, अस वर दीन जानकी माता ॥

राम रसायन तुम्हरे पासा, सदा रहो रघुपति के दासा ॥

तुम्हरे भजन राम को पावै, जनम-जनम के दुख बिसरावै ॥

अन्तकाल रघुबर पुर जाई, जहां जन्म हरि-भक्त कहाई ॥

और देवता चित्त न धरही, हनुमत सेइ सर्व सुख करही ॥

संकट कटै मिटै सब पीरा, जो सुमिरै हनुमत बलबीरा ॥

जै जै जै हनुमान गोसाईं, कृपा करहु गुरुदेव की नाईं ॥

जो सत बार पाठ कर कोई, छूटहि बंदि महा सुख होई ॥

जो यह पढ़ै हनुमान चलीसा, होय सिद्धि साखी गौरीसा ॥

तुलसीदास सदा हरि चेरा, कीजै नाथ हृदय मंह डेरा ॥

अंतिम एक चरण दोहा

✨ पवन तनय संकट हरन, मंगल मूरति रूप ॥
राम लखन सीता सहित, हृदय बसहु सुर भूप ॥

श्री राम वंदना (Shri Ram Vandana)

✨ आपदामपहतरि दांतार सर्वसम्पदाम् ||

लोकाभिराम श्री राम भूयो भूयो नमाम्यहम् ||

रघुनाथय नाथाय सीताया: पतये नम: ||

नीलाम्बुजश्यामलयकोमलांग्ड ||

सीतासमारोपितवामभागम् ||

पाणौ महा सायकचारुचाप ||

नमामि रांम रघुवंशनाथम ||

श्री हनुमान जी की आरती (Shri Hanuman ji ki Aarti)

Hanuman chalisa lyrics in hindi

Hanuman Aarti Lyrics in Hindi

आरती कीजै हनुमान लला की || दुष्टदलन रघुनाथ कला की || टेक ||

जाके बल से गिरिवर कांपै || रोग दोष जाके निकट न झांपै || 1 ||

अंजनि पुत्र महा बलदाई || संतन के प्रभु सदा सहाई || 2 ||

दे बीरा रघुनाथ पठाये || लंका जारि सिया सुधि लाये || 3 ||

लंका-सो कोट समुद्र सी खाई || जात पवनसुत बार न लाई || 4 ||

लंका जारि असुर संहारे || सिया रामजी के काज सँवारे || 5 ||

लक्ष्मण मूर्छित पड़े सकारे || आनि संजीवन प्रान उबारे || 6 ||

पैठि पताल तोरि जम-कारे || अहिरावन की भुजा उखारे || 7 ||

बाएं भुजा असुर दल मारे || दहिने भुजा सन्त जन तारे || 8 ||

सुर नर मुनि आरती उतारे || जय जय जय हनुमान उच्चारे || 9 ||

कंचन थार कपूर लौ छाई || आरति करत अंजना माई || 10 ||

जो हनुमान (जी) की आरति गावै || बसि बैकुंठ परम पद पावै || 11 ||